HD-01

December - Examination 2016

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी पद्य भाग–I (प्राचीन एवं मध्य. काव्य)

Paper - HD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब', 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **10 × 2 = 20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'रास' या 'रासक' का सामान्यअर्थ क्या है?

(ii) इम्मीर रासो के रचयिता का नाम बताइए?

(iii) निर्गुण भक्तिकाव्य धारा की दो शाखाओं के नाम लिखिए।

(iv) कबीर के राम कौन थे? उनका स्वरूप कैसा था?

(v) पद्मावत खण्ड काव्य है अथवा महाकाव्य लिखिए।

(vi) रसखान की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(vii) रीतिकाल को श्रृंगार काल क्यों कहा जाता है?

(viii) रस के चार अवयवों के नाम लिखिए।

(ix) रौद्र रस के स्थाथी भाव का नाम बताइए।

(x) श्लेष अलंकार किसे कहते हैं?

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्दसीमा अधिकतम 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) सूफी काव्यधारा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3) कबीरदास के काव्य में सामाजिक चेतना को स्पष्ट कीजिए।

4) तुलसीदास के काव्य में भाव पक्ष का निरूपण कीजिए।

5) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''रहिमन घरिया रहट की, त्यों ओछे की दीठि।
रीतिहि सम्मुख होत हैं, भरी दिखावे पीठी।।
रहिमन जगत बढ़ाई की, कूकुर की पहिचान।
प्रीति करै मुख चाटई, बैर करे तन हानि

6) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''दूलह श्री रघुनाथ बने, दुलही सिय सुन्दर मन्दिर माही
गावति गीत सबै मिलि सुन्दरि, वेद जुवा जुरि विप्र पढ़ाही।।
राम को रूप निहारति जानकी कंगन के नग की परछाहीं
यातें सबैं सुधि भूलि गई कर टेकि रही पल टारति नाही।।''

7) 'रस' का अर्थ स्पष्ट करते हुए आलम्बन और उद्दीपन विभाव को समझाइए।

8) उपमा और विरोधास अलंकार को उदाहरण सहित लिखिए।

9) दोहा छन्द के लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

(खण्ड – स) **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है –

10) 'मीराँ' की भक्ति भावना का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

11) आदिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराओं का विवेचन कीजिए।

12) बिहारी के काव्य में भक्ति, नीति और श्रृंगार की त्रिवेनी प्रवाहित होती है।'' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

13) घनानन्द के काव्य में भाव सौन्दर्य का निरूपण कीजिए।